Literacy for a Billion

Movie: Zubeidaa
Year: 2001

Song: Dhime Dhime Gaun
Lyricist: Javed Akhtar

धीमे धीमे गाऊँ
धीरे धीरे गाऊँ
हौले हौले गाऊँ
तेरे लिए पिया

गुन गुन मैं गाती जाऊँ
छुन छुन
पायल छनकाऊँ
सुन सुन
कब से दोहराऊँ
पिया पिया पिया

गुलशन महके महके
ये मन बहके बहके
और तन दहके दहके
क्यों है बता पिया

मन की जो
हालत है ये
तन की जो
रंगत है ये
तेरी मोहब्बत है ये
पिया पिया पिया

पिया पिया ओ...
ज़िन्दगी में तू आया तो
धूप में मिला साया तो
जागे नसीब मेरे ओ...
अनहोनी को था होना
धूल बन गई है सोना
आके क़रीब तेरे ओ ...
प्यार से मुझको
तूने छुआ है
रूप सुनहरा
तब से हुआ है
कहूँ और क्या
तुझे मैं पिया
ओ ...

तेरी निगाहों में हूँ
तेरी ही बाँहों में हूँ
ख़्वाबों की राहों में हूँ
पिया पिया पिया

पिया पिया ओ...
मैंने जो खुशी पाई है
झूम के जो रुत आई है
बदले ना रुत
वो कभी ओ...
दिल को देवता जो लागे
सर झुका है जिसके आगे
टूटे ना बुत वो कभी
ओ...

कितनी है मीठी
कितनी सुहानी
तूने सुनाई है जो कहानी
मैं जो खो गई

नई हो गई ओ...
आँखों में तारे चमके
रातों में जुगनूं दमके

मिट गए निशान ग़म के
पिया पिया पिया

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.